यूपी में निवेशः दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने कहा, 60 हजार करोड़ के एमओयू हुए

सिंगापुर से एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले: योगी

- कार्गो, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स में व्यापक सहयोग पर बनी सहमति
- योगी ने कहा- आज यूपी की छवि विश्व में बेहद सकारात्मक रूप में देखी जा रही

सिंगापुर/लखनऊ, हिटी। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ सिंगापुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिंगापुर में टीम यूपी को लगभग एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 60 हजार करोड़ के एमओयू 'इन्वेस्ट यूपी' द्वारा संपन्न किए जा चुके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह निवेश प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज पूरी तरह पारदर्शी हो चुकी है। निवेशकों को प्रदेश में हो रही हर गतिविधि की जानकारी है। यही कारण है कि कम समय में यूपी को इतना बड़ा निवेश मिला है।

नौ वर्षों में यूपी ने तेजी से किया विकास: मीडिया कर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके साथ बड़ा प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर और जापान की यात्रा पर आया है। सिंगापुर पहुंचने के बाद सुबह 8:30 बजे से देर रात तक लगातार बैठकें चलीं और दूसरे दिन भी सुबह से कार्यक्रम जारी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में 11 वर्षों में भारत ने समग्र विकास किया है। उसी विजन को बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश ने साढ़े आठ-नौ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, सर्विस सेक्टर और जन-कल्याण के क्षेत्रों में तेज गति से विकास किया है। आज भारत, उत्तर प्रदेश की छवि विश्व स्तर पर अत्यंत सकारात्मक रूप में देखी जा रही है।

100 से अधिक शीर्ष प्रतिनिधियों से मुलाकातः मुख्यमंत्री ने बताया कि दो दिनों में 100 से अधिक प्रतिनिधियों से भेंट की है। सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री और ऊर्जा मंत्री के साथ भी सकारात्मक व सार्थक वार्ता हुई। प्रमुख फिनटेक कंपनियों के अध्यक्ष व सीईओ के साथ भी बैठकें की गईं। कई कंपनियां पहले से भारत और उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही हैं। योगी ने उल्लेख किया कि देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित हो रहे गंगा एक्सप्रेसवे में भी कुछ कंपनियों ने पहले से निवेश किया है। उत्तर प्रदेश के प्रति निवेशकों की धारणा में 360 डिग्री का सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, उद्योग मंत्री नंद गोपाल 'नंदी' सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने भारतीय उच्चायुक्त और उनकी टीम का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

➤ यूपी में निवेश सुरक्षित P02

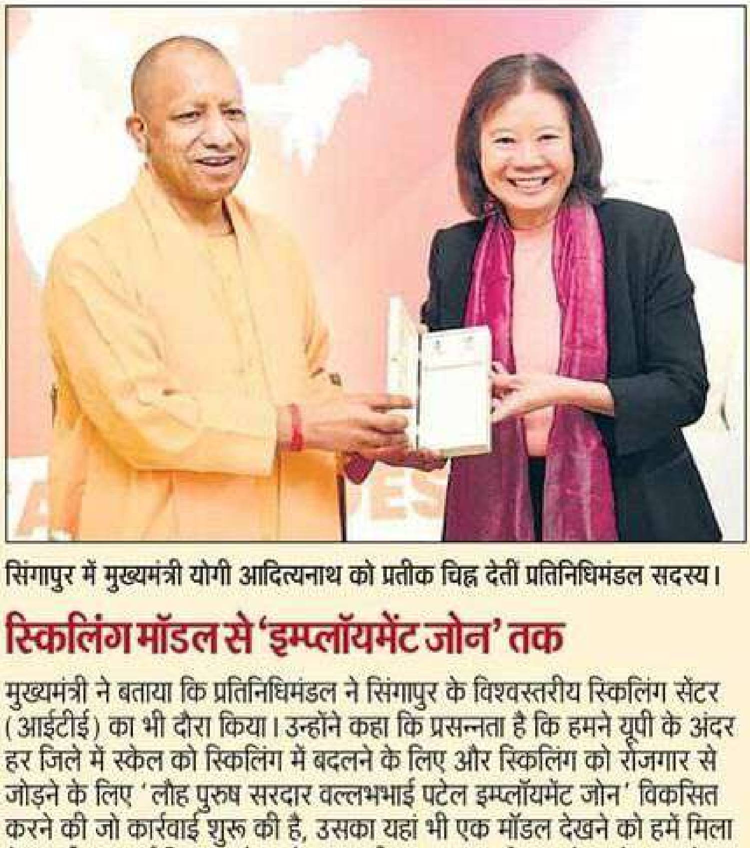

सिंगापुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रतीक चिह्न देतीं प्रतिनिधिमंडल सदस्य।

स्किलिंग मॉडल से 'इम्प्लॉयमेंट जोन' तक

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के विश्वस्तरीय स्किलिंग सेंटर (आईटीई) का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि हमने यूपी के अंदर हर जिले में स्केल को स्किलिंग में बदलने के लिए और स्किलिंग को रोजगार से जोड़ने के लिए 'लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल इम्प्लॉयमेंट जोन' विकसित करने की जो कार्रवाई शुरू की है, उसका यहां भी एक मॉडल देखने को हमें मिला है। उम्मीद जताई कि इस सेंटर के साथ भी हम इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे।

जेवर में एमआरओ और कार्गो हब की दिशा में पहल

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने उन अत्याधुनिक स्थलों का भी दौरा किया, जहां सामान्य लोगों का प्रवेश कठिन होता है। विशेष रूप से शीघ्र शुरू होने वाले जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ कार्गो सुविधा और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉलिंग) विकसित करने के लिए सिंगापुर की दक्षता का अध्ययन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत सहित विश्व के अनेक विमान अपने एमआरओ कार्यों के लिए सिंगापुर आते हैं। यह सुविधा भारत में, विशेष कर जेवर में विकसित की जा सकती है।